THE

PARLIAMENTARY DEBATES

OFFICIAL REPORT IN THE SIXTEENTH SESSION OF THE RAJYA SABHA. *Commencing on the 18th March 1957*

RAJYA SABHA

Monday, 18th *March* 1957

The House met at fifteen minutes past twelve of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

MEMBER SWORN

Shri S. K. Dey (Delhi).

PAPERS LAID ON THE TABLE

PRESIDENT'S ADDRESS

SECRETARY: Sir, I beg to lay on the Table a copy of the President's Address to both the Houses of Parliament assembled together on the 18th March 1957:

(Text of the President's Address in Hindi)

संसद् के सदस्यगण, आज मैं पूरे एक वर्ष के बाद आपके सामने अभिभाषण कर रहा हूं । यह वर्ष हमारे देश के लिये और विश्व के लिए महत्वपूर्ण घटनाओं से पूर्ण रहा है । हम ऐसे समय एकत्र हुए हैं जब कि देश भर में आम चुनाव चल रहे हैं और इन के परिणाम-स्वरूप नई संसद् की स्थापना होने जा रही है । इस संसद् के सम्मुख कुछ कहने का मेरे लिए यह अंतिम अवसर है । अपने निर्वाचन-क्षेत्रों के प्रतिनिधि के रूप में आप में से कुछ नई संसद् में भी आयेंगे और संभवतः कुछ सदस्यगण नई संसद

में नहीं आयेंगे । आप का कार्यक्षेत्र कहीं भी हो, मुझे इस में संदेह नहीं कि जो कुछ भी आप करेंगे वह इस देश के निर्माण-सम्बन्धी महान् कार्य के हित में होगा । मैं आप के कार्य में सफलता और आप की सम्पन्नता की कामना करता हूं ।

२. पिछली बार जब मैं ने आप के सामने अभिभाषण दिया था, तब से संसार ने, विशेषकर मध्यपूर्व ने, तनाव की स्थिति का सामना किया है और एक ऐसा संघर्ष भी देखा है जिस का अन्तिम रूप मिस्र पर आक्रमण हुआ । संयुक्त राष्ट्र के हस्तक्षेप और संसार के जनमत के फलस्वरूप आक्रमणकारी सेनाओं को मिस्र से हटा लिया गया, किन्तु इस संघर्ष से मिस्र को भारी क्षति ही नहीं उठानी पड़ी बल्कि ऐसे समय जब अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति में सुधार होता दिखाई दे रहा था तनाव में वृद्धि हुई । इन परिस्थितियों के कारण बहुत सी समस्यायें पैदा हो गई हैं जिन्हें अब सुलझाना होगा । इन समस्याओं से हमारा भी गहरा सम्बन्ध है क्योंकि विश्व-शान्ति और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में हमारी दिलचस्पी है और हमें अपने हितों की भी रक्षा करनी है । इसलिए इन कठिनाइयों को सुलझाने में हम ने योगदान देने की चेष्टा की । इस प्रकार हमारे देश ने अपने ऊपर भारी दायित्व लिए हैं जिन में संयुक्त राष्ट्र आपत्कालिक सेना में सम्मिलित होना भी शामिल है । यह सेना संयुक्त राष्ट्र की साधारण सभा के निर्णय के